पिलर नंबर छह तक सुपरस्ट्रक्चर को तोड़ने का काम पूरा, अब सातवें में लगा हाथ

गांधी सेतु का पश्चिमी लेन अगले वर्ष से होगा चालू

1383

करोड़ रुपए की लागत आएगी 5.575 किलोमीटर लंबे गांधी सेतु के नव निर्माण में

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

महात्मा गांधी सेतु का पश्चिमी लेन अगले साल दिसम्बर तक चालू हो जाएगा। उसके बाद पूर्वी लेन के जीर्णोद्धार का काम शुरू होगा। मई, 2020 तक पूरा गांधी सेतु नये रूप में तैयार हो जाएगा। कंक्रीट का सुपरस्ट्रक्चर स्टील का बन जाएगा। निर्माण के क्षेत्र में विश्व की यह पहली घटना होगी। उसके बाद सेतु सोनपुर-दीघा जेपी सेतु की तरह दिखेगा।

पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने सेतु के नवनिर्माण के काम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्थल पर जाकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कई निर्देश दिए। निर्माण कंपनी के अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि पिलर नम्बर छह तक सुपरस्ट्रक्चर तोड़ दिया गया है।

सातवें पिलर के पास काम लग गया है। तोड़ते समय पानी का फव्वारा दिया जाता है, ताकि धूलकण न उड़ें। जब तोड़ने का काम पानी वाले भाग में पहुंचेगा तो पुल को ऊपर से सपोर्ट दिया जाएगा ताकि काटने के बाद कोई टुकड़ा पानी में न गिरे। उसके बाद छोटे-छोटे टुकड़ों में सतह को काटकर मशीन के माध्यम से धीरे-धीरे नीचे लाया जाएगा। पानी में पीपा पुल बनाकर मलबा को बाहर लाया जाएगा।

नया स्वरूप

- मई 2020 तक गांधी सेतु नए रूप में तैयार हो जाएगा
- पथ निर्माण मंत्री ने किया नवनिर्माण कार्य का निरीक्षण
- 35 वर्ष पुराने महात्मा गांधी सेतु में हैं 47 पाये

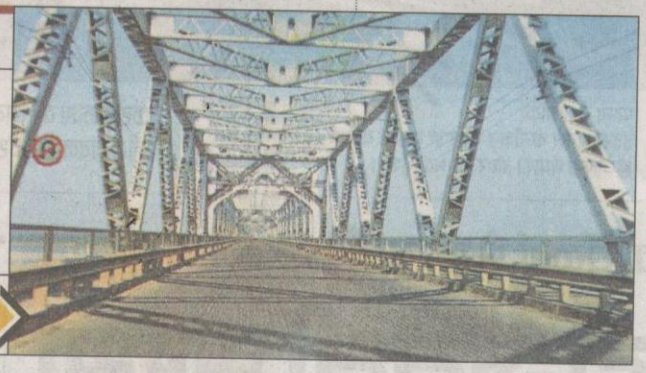

सुपरस्ट्रक्चर स्टील का बन जाने के बाद गांधी सेतु इस तरह दिखेगा।

शनिवार को गांधी सेतु का निरीक्षण करते पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव, साथ में अधिकारी। • हिन्दुस्तान

एक हो जाएगा वैशाली-पटना

पटना। गांधी सेतु का निरीक्षण करने के बाद पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने कहा कि पटना के साथ वैशाली भी फोरलेन सड़कों से घिर जाएगा। इसके अलावा पटना और वैशाली जुड़ जाएगा। गंगा पर पुलों की संख्या जितनी हो जाए, लेकिन गांधी सेतु का महत्व कभी कम नहीं होगा। वैशाली और पटना एक हो जाएगा।

कम हो जाएगी दूरी

श्री यादव ने कहा कि पटना के नये रिंग रोड को कच्चीदरगाह-बिदुपुर पुल से जोड़ दिया जाएगा। उस रास्ते वैशाली के लोग बिदुपुर तक जा सकेंगे। उसके बाद बिदुपुर से हाजीपुर होते हुए सोनपुर-दीघा पुल से पटना की ओर चले जाएंगे। कहा कि वैशाली जिले के दोनों छोर पर गंगा पुल हो जाने से पटना की दूरी कम हो जाएगी।

मंत्री ने कहा कि 1982 में पुल का पश्चिमी छोर पहली बार शुरू हुआ था। वर्ष 1987 में पूर्वी लेन शुरू हुआ। लेकिन 1991 से ही मरम्मत की जरूरत पड़ने लगी। केन्द्र की सरकार टुकड़ों में पैसा देती रही। लिहाजा संपूर्ण भाग की मरम्मत एक साथ कभी नहीं हुई। अटलबिहारी वाजपेयी ने एकमुश्त पैसा दिया। उसके बाद जब राज्य में एनडीए की सरकार बनी तो इस पर अध्ययन शुरू हुआ और पता चला कि पिलरों में बहुत जान है। सुपर स्ट्रक्चर बदलने से पुल नया हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके लिए एकमुश्त पैसा स्वीकृत किया, तब नवनिर्माण का काम शुरू हुआ।